

**राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर**

प्रकृति का परंपरा और कला का विज्ञान से मेल जरूरी: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने 14वें राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का किया उद्घाटन

जयपुर/ बीकानेर, 27 फरवरी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत की कला शैली प्राचीन काल से ही उच्च स्तरीय रही है। प्रकृति का परम्परा से सदैव नाता रहा है। नदी की मौज, मयूर के नृत्य और कोयल की बोली में भी संगीत है।

राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 14वें और बीकानेर में पहले राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि देश में कई कलाएं और प्रतिभाएं अब भी कलाकारों के संगठित नहीं होने के कारण छिपी हुई हैं। ऐसी कला एवं संस्कृति को सामने लाना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों तक इन्हें पहुंचाया जा सके।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि ऐसे कलाकारों को आगे लाएं और उनकी प्रतिभा को आमजन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि प्रकृति का परंपरा और कला का विज्ञान से मेल जरूरी है। कला एवं संस्कृति के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग आवश्यक है। इंटरनेट का हमारी कला को लाभ मिला है। राष्ट्रपति ने कहा कि हम पश्चिम की ओर देखते हैं, जबकि हमें अपनी समृद्ध और संपन्न संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि सच्चे कलाकारों का जीवन तपस्या का उदाहरण होता है। इससे युवाओं को प्रेरणा मिलती है, सीखने को मिलता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव के आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से राष्ट्रीय एकता और भावना मजबूत होती है। विभिन्न प्रदेशों की कला एवं संस्कृति जानने समझने का मौका मिलता है। कला के क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपने हुनर के प्रदर्शन का अवसर प्रदान करते हैं।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि राजस्थान सात वार और नौ त्योहार वाला प्रदेश है। यह महोत्सव विभिन्न संस्कृतियों की एकता का प्रतीक है। राजस्थान की धरती के कण-कण में लोक कलाओं, संस्कृति और परंपराओं का जो रूप देखने को मिलता है, वैसा कहीं नहीं मिलता।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि रंग-बिरंगी सांस्कृतिक विविधता भारत की अमूल्य धरोहर है। विविध खानपान, परंपरा, रीति-रिवाज वाली हमारी संस्कृति अनेकता में एकता की सूत्रधार भी है। राष्ट्रीय संस्कृति लोक संस्कृति महोत्सव के माध्यम से बीकानेर में लघु भारत का रूप साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से सांप्रदायिक सौहार्द समरसता बढ़ती है और हमारी आपसी मेलजोल की संस्कृति और मजबूत होती है।

केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में करीब एक हजार कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बीकानेर की विभिन्न सांस्कृतिक विशेषताओं और कलाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों को रेखांकित किया।

इस मौके पर मंच पर कला, संस्कृति और शिक्षा मंत्री डॉ. बी डी कल्ला और महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित मौजूद थीं।

इस अवसर पर पद्मश्री से सम्मानित कलाकार अनवर खान की सुपर हिट डेजर्ट सिंफनी को दर्शकों ने सराहा । इस प्रस्तुति के बाद राष्ट्रपति ने अनवर खान ग्रुप में शामिल बच्चों के साथ फोटो खिंचवाया उनसे बात की और उन्हें दुलारा।

इसके अलावा कल्पेश दलाल और संजय शर्मा के निर्देशन में "सौरभ संस्कृति" की उम्दा पेशकश ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इस प्रस्तुति में देश के विभिन्न लोकनृत्यों को एक सूत्र में पिरोकर पेश किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने ढोल को थाप के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने सातों सांस्कृतिक केंद्रों के आंगनों का अवलोकन किया।

इससे पहले राष्ट्रपति के नाल हवाई अड्डे पहुंचने पर राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और महापौर श्रीमती सुशीला कंवर ने उनकी अगवानी की।
